RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 12 मार्च 2024 वर्ष 05 अंक 320 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

कोस्टल रोड का CM शिंदे ने किया उद्घाटन

40 मिनट की दूरी अब मिनटों में होगी पूरी...

मुंबईकरों को ट्रैफ़िक से निजात दिलाने के लिए मुंबई ट्रांस हार्वर लिंक ब्रिज के बाद महाराष्ट्र सरकार मुंबई के लोगों को देश की पहली कोस्टल रोड की सौगात दी है. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई में कोस्टल रोड के पहले चरण का उद्घाटन किया. इसके उद्घाटन के बाद वर्ली से मरीन ड्राइव तक का सफर महज 9 से 10 मिनट में तय किया जा सकेगा. पहले इतनी दूरी तय करने में 40 मिनट का समय लगता था.

कोस्टल रोड की खासियत

पहले फेज को लेकर जो जानकारी सामने आई है उसके अनुसार बता दें, इसमें 10.58 किमी लंबे कोस्टल रोड का एक हिस्सा समुद्र के अंदर बनाया गया है. यह देश की पहली सड़क है, जो समुद्र के अंदर बनाई गई है. पहले फेज का काम बीएमसी के तरफ से किया गया है. वर्ली से दक्षिण की ओर जाने वाला हिस्सा शुरू हो जाएगा. इसमें तीन इंटरचेंज है. एमर्सन गार्डन, हाजी अली और वर्ली.

फ्री और आसन होगा सफर

यहां बता दें, कोस्टल रोड का सफर पूरी तरह से फ्री होगा. पहले फेज में 2 टनल हैं. हालांकि आज एक ही टनल (प्रियदर्शी पार्क टू पारसी जिमखाना) चालू होगा. कोस्टल रोड सोमवार से शुक्रवार के बीच चालू रहेगा. मरीन ड्राइव से वर्ली तक बन रहे 10.58 किमी लंबे कोस्टल रोड का पूरा काम मई, 2024 में पूरा हो जाने की उम्मीद है.

इस परियोजना के आसपास 320 एकड़ भूमि पर एक भव्य सेंट्रल पार्क का निर्माण किया जाएगा. इसी तरह 200 एकड़ जमीन में अलग-अलग पेड़ लगाए जाएंगे. कोस्टल रोड पर लोग 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन दौड़ सकेंगे. कोस्टल रोड पर कुछ वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया है. इसमें ट्रेलर, मिक्सर, ट्रैक्टर, दो पहिया, तीन पहिया, साइकिल, दिव्यांग वाहन आदि शामिल हैं. कोस्टल रोड की कुल लंबाई 29.2 किलोमीटर है और इसका काम दो फेज में हो रहा है. प्रोजेक्ट की कुल लागत 13,898 करोड़ रुपए है. अब तक 9,383 करोड़ का काम किया गया है. महाराष्ट्र सरकार ने कोस्टल रोड का नाम छत्रपति संभाजी महाराज दिया है.

दस्तावेजों पर मां का नाम अनिवार्य

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं. इस बैठक में मुंबई में थीम पार्क, सरकारी दस्तावेजों पर मां का अनिवार्य जैसे कई बड़े फैसले पर सहमती बनी. प्रदेश के महिला और बाल कल्याण विभाग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है. इसके अलावा सरकारी दस्तावेजों पर पिता के साथ मां का नाम भी लिखना अनिवार्य कर दिया गया है.

फड़णवीस ने पनवेल में पहले साक्ष्य प्रबंधन केंद्र का उद्घाटन किया

मुंबई : यह कहते हुए कि नवी मुंबई पुलिस अपराध की सजा बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकी प्रगति को लागू करने में सबसे आगे रही है, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि नवी मुंबई पुलिस आयुक्तालय द्वारा साक्ष्य संग्रह और नेल्सन सिस्टम के निष्पादन की प्रक्रिया ने अपराधी को सुलझाने में मदद की है। शहर में मामलों को बहुत कुशलता से।''नवी मुंबई संशोधित आपराधिक कृत्यों में निर्धारित परिवर्तनों का पालन करने वाला पहला देश बन गया है। संशोधन के अनुसार, सदियों पुरानी भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) को भारतीय न्याय संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय के रूप में संशोधित किया गया है।

नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को भारतीय सुरक्षा संहिता के रूप में जाना जाता है। यह आम आदमी को केंद्र में रखने के लिए किया गया है ताकि पुलिसिंग के बीच लोगों का विश्वास बढ़े,'' गृह विभाग भी संभालने वाले फड़णवीस ने नए साक्ष्य प्रबंधन का उद्घाटन करने के बाद कहा। पनवेल में नवी मुंबई पुलिस का केंद्र (ईएमसी)।''साक्ष्य संग्रह वैन और साक्ष्य संग्रह किट के साथ नया केंद्र न केवल आपराधिक न्याय प्रणाली को गति देने में मदद करेगा, बल्कि गुणवत्तापूर्ण साक्ष्य तैयार करने में भी मदद करेगा जो कानून की अदालत में स्वीकार्य होंगे। इससे अपराधियों को जल्द से जल्द दंडित करने में मदद मिलेगी।'' , ''फडणवीस ने कहा और इस तरह का केंद्र शुरू करने वाली राज्य की पहली इकाई बनने के लिए पुलिस की सराहना की, जो अन्य आयुक्तालयों के लिए एक उदाहरण होगा।

महाराष्ट्र एटीएस ने पकड़ा पाकिस्तानी जासूस:

हनी ट्रैप में फंसकर कई महीनों से लीक कर रहा खुफिया जानकारी...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र एटीएस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। एजेंसी ने महाराष्ट्र से 31 साल के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उस पर पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (ढक्कड) एजेंटों के साथ खुफिया जानकारी शेयर करने का आरोप है।

सोशल मीडिया पर महिला के संपर्क में आया

एटीएस ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी देश की सुरक्षा के लिए संवेदनशील जगहों पर काम कर रहा था।हालांकि उसका नाम क्या है, किस जगह तैनात था, इसका खुलासा नहीं किया गया है। एटीएस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी हनी ट्रैप में फंसा था। वह सोशल मीडिया के जरिए एक महिला के संपर्क में आया था। फिर दोनों में बातचीत होने लगी। बातचीत इतनी आगे बढ़ गई कि वह उसके इशारों पर नाचने लगा। आरोपी शख्स ने महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए पैसे भी लिए हैं। कई महीनों से यह सिलसिला चल रहा था। एटीएस इनपुट मिलने के बाद आरोपी की जांच में जुट गई थी। जांच आगे बढ़ी तो मामला सही पाया गया। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जनवरी महीने में महाराष्ट्र एटीएस ने नासिक शहर से 32 साल के एक इंजीनियर को गिरफ्तार किया था। उस पर प्रतिबंधित संगठन आईएसआईएस का सपोर्ट करने और फंडिंग का आरोप था।

चाचा ने बारामती में चली बड़ी चाल...

क्या अभी भी पत्नी सुनेत्रा को मैदान में उतारेंगे अजीत पवार...?

मुंबई: महाराष्ट्र में भले ही महाविकास अघाड़ी के बीच सीट शेयरिंग पर सहमति नहीं बन पाई है लेकिन फैमिली फाइट क लिए चर्चा में आई बारामती सीट पर चुनावी घमासान से पहले शह-मात की सियासत जारी हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने बारामती सीट पर बेटी सुप्रिया की चौथी बार जीत सुनिश्चित करने के लिए बड़ा दांव खेल दिया है। उन्होंने कई दशक पुरानी अपनी सियासी दुश्मनी को भुलाते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनंतराव थोपटे से हाथ मिलाया है। शरद पवार और नेता अनंतराव थोपटे की मुलाकात के दौरान कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट भी मौजूद रहे।

चार दशक से थी 'दुश्मनी'

बारामती में पिछले चार दशक से एकछत्र राज कर रहे शरद पवार की अनंतराव थोपटे से 40 साल पुरानी दुश्मनी मानी जाती है। बारामती में भतीजे अजीत पवार से मिल रही चुनौती को भांपते हुए शरद पवार बड़ा दांव खेलते हुए अनंतराव थोपटे के भोर स्थित आवास पर पहुंचे और मुलाकात की। इस मौके पर अनंतराव के बेटे संग्राम थोपटे भी मौजूद रहे। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि पवार ने सुप्रिया जीत के लिए यह दांव खेला है। अगर बारामती में सुप्रिया की हार होती है तो इस शरद पवार की हार के तौर पर देखा जाएगा। इसीलिए पवार कोई जोखिम नहीं उठाना चाह रहे हैं।

झगड़े के बाद पति ने की आत्महत्या

नागपुर : 10 मार्च को नागपुर के गीता नगर में एक 35 वर्षीय व्यक्ति ने कथित तौर पर तब आत्महत्या कर ली जब उसकी पत्नी झगड़े के बाद अपने घर से बाहर चली गई। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

हुडकेश्वर पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति ने शनिवार को साड़ी का इस्तेमाल कर फांसी लगा ली। अधिकारी ने कहा, उसने अपनी पत्नी को घर लौटने के लिए बुलाया था। जब उसने इनकार कर दिया, तो उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है।

संपादकीय / लेख

सियासी फ्रैंचाइजी

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

देश का राजनीतिक ढांचा और सत्ता का दस्तूर अब नेताओं के सुपुर्द विचारधारा नहीं, चुनावी व्यापार की फ्रैंचाइजी दे रहा है। बड़े राज्यों की अमानत में राष्ट्रीय पार्टियों का यह चरित्र समझ आता है या क्षेत्रीय दलों के वर्चस्व में सत्ता की फ्रैंचाइजी चल निकली है, लेकिन हिमाचल जैसे छोटे व संसाधनहीन राज्य में अगर सियासत फ्रैंचाइजी बांटने लगे, तो अस्थिरता यहां भी परिस्थितियों को हमेशा असामान्य बना देगी। कांग्रेस के शिखर नेतृत्व को यह सोचना होगा कि जनता ने चालीस और निर्दलीय विधायकों ने तीन सीटें सौंपकर जिस प्रदेश की सत्ता को विपक्ष के मुकाबले तमाम अटकलों से ऊपर, विरामों से दूर और दलबदल की आशंका से कोसों दूर रखा हो, वहां अंततः नौ सीटें आत्मघाती क्यों हो गईं। क्या कांग्रेस के भेदिए या कांग्रेस के संपर्क सूत्र इतने शिथिल हैं या इनके कानों में अपनी सत्ता का ही फितूर गूंजता रहा, वरना ह्यखतरों के खिलाड़ीह्ल जैसा शो न चलता। हैरानी यह कि कांग्रेस ने विभिन्न राज्यों और राष्ट्रीय स्तर पर सैंकड़ों नेता इसलिए गंवा दिए, क्योंकि नेतृत्व अपने ही आराम में विराम लगाने पर तुला रहा। यानी हर राज्य की फ्रैंचाइजी तय करके नेतृत्व आज भी सोच रहा है कि उसका सियासी माल चल जाएगा, हालांकि इस अवधारणा के विपरीत कांग्रेस का सियासी माल अगर बिक रहा है, तो सामने भाजपा का पलड़ा भारी हो रहा है। कांग्रेस को या तो इसलिए सत्ता नहीं मिल रही, क्योंकि वहां सरकार बनाने के लिए कुछ क्षत्रपों को ही फ्रैंचाइजी दी गई है या इसलिए भी कि नई राजनीति में वही पुराने ढर्रे से माल बेचा जा रहा है।

मध्यप्रदेश में कमलनाथ और राजस्थान में अशोक गहलोत को मिली कांग्रेस की फ्रैंचाइजी ने इसीलिए सारा व्यापार खट्टा कर दिया। कांग्रेस अपने दायित्व, उत्तराधिकार और दरबारी आधार पर जिस नेता पर दांव लगाती है, वह आगे-आगे चलकर प्रदेश में अपने प्रमुख की फ्रैंचाइजी आबंटित कर रहा है। यह दोनों तरह से है यानी संगठन में भी यही खोट है, जबकि सत्ता के पास फ्रैंचाइजी देने के हक में अनेक और विशेषाधिकार हैं। इन्हीं में अगर कल तक मंत्री पद थे, तो अब कैबिनेट रैंक से सुसज्जित होने की फ्रैंचाइजी भी उपलब्ध है। सियासत जिस तरह के विकल्पों में आम जनता से संबोधित है, वहां मतदाता केवल कठपुतली हैं और हमारे सामने नित नए नृत्य हो रहे हैं। ऐसे में फ्रैंचाइजी के नियमों और लाभ-हानि पर केंद्रित व्यवस्था पैदा हो रही है। हिमाचल में जिस तरह के फैसले पिछली चार सरकारों ने लिए हैं, उससे मालूम होता है कि प्रदेश का सारा धंधा कर्मचारियों ने छीन लिया है, जबकि सत्ता का चेहरा नौकरशाही और अफसरशाही को अपनी फ्रैंचाइजी में प्रयोगात्मक ढंग से चयनित करता रहता है। स्थानांतरण में न तो नियम और न ही नीति के प्रति कोई भी सरकार इसलिए गंभीरता नहीं दिखाती, क्योंकि हर किसी को फ्रैंचाइजी बचानी है। अभी भाजपा की सरकार से दूर हुए या खदेड़े गए छह विधायकों और सत्ता के बीच हम इसी फ्रैंचाइजी का नेटवर्क देख सकते हैं।

जिस तरह कुछ एसडीएम को काले पानी की सजा हुई, उससे लगता है कि वे विधायकों की फ्रैंचाइजी में काम कर रहे थे, या अब जाकर मालूम हुआ कि वास्तव में व्यवस्था इसी का नाम है। हम जिसे राजनीति कहते हैं, उससे भी खतरनाक है सत्ता के आबंटन में फ्रैंचाइजी मॉडल का सफल होना। यह एक तरह से छोटे-छोटे दुर्गों का आबंटन है, जहां कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। जब पुलिस के ड्यूटी चार्ट में वीआईपी सेवा को अधिमान मिले, मंचों पर नौकर व अफसरशाही विराजमान रहे और सारी व्यवस्था मात्र गुणगान हो, तो समझ जाइए कि दिल्ली से शिमला तक के दरबारों में सरकारें अपने भरोसे के लिए भरोसेमंद लोगों को फ्रैंचाइजी बांट रही हैं। इस दौड़ में देश की हर पार्टी, व्यवस्था का हर पात्र, बजट का हर अंश और नागरिक समाज का हर दायित्व शरीक हो चुका है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalrokthok
#faisalrokthok

प्रॉपर्टी टैक्स भरने की समय सीमा 25 मई तक बढ़ने के बाद...

बीएमसी के खजाने में अब तक सिर्फ 23% ही हुआ जमा

मुंबईः मौजूदा आर्थिक वर्ष 2023-24 खत्म होने में सिर्फ 21 दिन बचे हैं, जबकि बीएमसी की आय के प्रमुख स्रोत प्रॉपर्टी टैक्स का सिर्फ 23 प्रतिशत ही खजाने में जमा हो सका है। बीएमसी को प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में अब तक 1,043 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं, जो बीएमसी के 4,500 करोड़ रुपये के लक्ष्य से बहुत कम है। हालांकि, बीएमसी ने विवाद के बाद प्रॉपर्टी टैक्स भरने की समय सीमा 25 मई तक बढ़ा दी है। 25 मई तक वर्ष 2023-24 का प्रॉपर्टी टैक्स भरने पर बीएमसी दंड नहीं लगाएगी।

बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि इस साल प्रॉपर्टी टैक्स का बिल भेजने को लेकर काफी उहापोह की स्थिति रही। पहले बीएमसी ने मुंबई में रेडीरेकनर दर पर प्रॉपर्टी टैक्स में लगभग 14 फीसदी बढ़ोतरी करने की योजना बनाई, लेकिन राज्य सरकार ने इसे रोक दिया।

साल में दो बार जाता है बिल

इसका असर यह हुआ कि तय समय पर बिल भेजने में बीएमसी नाकाम रही। इसी का नतीजा है कि बीएमसी को एक साथ सालभर का बिल भेजना पड़ रहा है, लेकिन हमें उम्मीद है कि हम प्रॉपर्टी टैक्स वसूली का लक्ष्य हासिल करने में सफल रहेंगे। बीएमसी के नियम के अनुसार 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक प्रॉपर्टी टैक्स का बिल पहली बार और 1 अक्टूबर से 31 मार्च तक के टैक्स का बिल साल में दो बार यानी छह-छह महीने में लोगों को भेजा जाता है, लेकिन इस साल यह बिल एक साथ भेजी जा रही है, जिस पर काफी विवाद हो चुका है। बीएमसी ने 26 फरवरी 2024 से प्रॉपर्टी टैक्स बिल भेजना शुरू किया। अब तक 9.22 लाख से अधिक बिल करदाताओं को ईमेल के माध्यम से भी भेजे जा चुके हैं। बाकी लोगों को बिल भेजने की प्रक्रिया जारी है। बता दें कि तत्कालीन उद्धव ठाकरे सरकार ने मुंबई में 500 वर्ग फीट तक के घरों की प्रॉपर्टी टैक्स माफ कर दिया था। इससे बीएमसी का प्रॉपर्टी टैक्स 7,000 करोड़ रुपये से घटकर 4,500 करोड़ पर आ गया है। बीएमसी के नियम के अनुसार, हर 5 साल में प्रॉपर्टी टैक्स में सुधार किया जाता है। पिछली बार वर्ष 2015 में सुधार करते हुए बीएमसी ने प्रॉपर्टी टैक्स में वृद्धि की थी।

कल्याण में कोलसेवाड़ी पुलिस ने चोरी के आरोप में 2 को किया गिरफ्तार

कल्याण : कल्याण में कोलसेवाड़ी पुलिस ने चोरी की घटना को अंजाम देने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोरों के नाम राजेश राजभर और राहुल घाडगे हैं। राजेश राजभर के खिलाफ बदलापुर, अंबरनाथ, कल्याण, डोंबिवली, टिटवाला, वसई, विरार, मुंबई, पुणे के विठ्ठलवाड़ी पुलिस थाने में चोरी के 27 मामले दर्ज हैं। जांच में पता चला कि राजेश पहले घरों में घुसकर रेकी किया करता था फिर वह मात्र डेढ़ से दो मिनट में घरों में चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाता था। चुराए हुए आभूषणों को वह अपने परिवार की मदद से बाजार में बेच दिया करता था। चोरी की कमाई से बनवा लिया शानदार घर राजेश उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले का रहने वाला है। शातिर चोर अपनी चोरी की कमाई से शानदार बंगला बनाकर अपने परिवार के साथ रहा करता था। बाकायदा उसके घर के बाहर उउळश कैमरे भी लगे थे। जिससे बाहर से घर में आने वालों पर वह कड़ी नजर रखा करता था। CCTV से राजेश को इस बात का पता चल जाता था कि घर में पुलिस आ रही है तो वह दूसरे रास्ते से पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाता था। कोलसेवाड़ी पुलिस ने इस मामले में उसके पिता, भाई और भाभी को भी आरोपी घोषित किया है।

1993 में सिलसिलेवार बम धमाका

विस्फोटक उतारने की अनुमति देने वाले दो आरोपियों को HC से राहत...

मुंबई : बंबई उच्च न्यायालय ने शहर में 1993 के सिलसिलेवार बम धमाकों में इस्तेमाल विस्फोटकों की खेप उतराने की अनुमति देने के आरोप में केंद्रीय उत्पाद शुल्क के दो तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश के करीब 20 साल बाद उन्हें राहत दे दी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की खंडपीठ ने अनुशासनात्मक कार्रवाई का आदेश रद्द करते हुए कहा कि विभागीय जांच में दोनों (अब सेवानिवृत्त) अधिकारियों के खिलाफ आरोप साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला।

उच्च न्यायालय ने चार मार्च को दिए अपने फैसले में कहा कि केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग के सेवानिवृत्त अधीक्षक एस एम पडवाल और यशवंत लोटाले वेतन और पेंशन का बकाया जैसे सभी लाभों के हकदार होंगे, जिनका भुगतान उन्हें दो महीने के भीतर किया जाए। मुंबई में 12 मार्च 1993 को अलग-अलग स्थानों पर 12 बम विस्फोट हुए थे जिसमें 257 लोगों की मौत हो गयी थी और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। बाद में एक विशेष अदालत ने मामले में 100 लोगों को दोषी ठहराया था और 23 अन्य को बरी कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि पडवाल और लोटाले ने मामले में किसी आपराधिक मुकदमे का सामना नहीं किया।

जीटी अस्पताल अब मेडिकल कॉलेज... 100 विद्यार्थियों को मिलेगा दाखिला

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को और एक मेडिकल कॉलेज मिल गया है। जेजे ग्रुप ऑफ अस्पताल के अधीन आनेवाले गोकुलदास तेजपाल अस्पताल को मेडिकल कॉलेज के रूप में परिवर्तित कर इसे नए शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में प्रवेश शुरू किया जाएगा। इसकी घोषणा राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रिफ ने की है। 100 सीटों की क्षमता वाले इस मेडिकल कॉलेज के शुरू होने के बाद मुंबई में मेडिकल कॉलेज की संख्या छह हो गई है।

इसमें से 4 मेडिकल कॉलेज मुंबई मनपा के अधीन आते हैं। दक्षिण मुंबई में एक नया मेडिकल कॉलेज बनाने का प्रस्ताव बीते 11 वर्षों से राज्य सरकार के चिकित्सा शिक्षा विभाग में विभिन्न कारणों से लटका था। यह प्रस्ताव डीएमईआर के तत्कालीन निदेशक डॉ. प्रवीण शिंगारे ने तैयार किया था। बीते कुछ महीनों से 11 वर्षों के इस पुराने प्रस्ताव पर फिर से हलचल शुरू हुई और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के प्रयासों से गोकुलदास तेजपाल अस्पताल को मेडिकल कॉलेज के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया। यह भी पढ़े -ग्रेटर नोएडा के हॉस्टल में खराब खाना खाने से सैकड़ों छात्र बीमार, अस्पताल में चल रहा इलाज

जीटी अस्पताल के 500 बेड की क्षमता मेडिकल कॉलेज के तय मानक में सटीक भी बैठती है। इस कॉलेज के शुरू होने से मुंबई में राज्य सरकार के दो और मुंबई मनपा के 4 मेडिकल कॉलेज हो जाएंगे। इसके साथ ही प्रदेश में मेडिकल कॉलेज की संख्या 27 तक पहुंच जाएगी।

मुंबई पुलिस की वर्दी पहनकर KEM की महिला डॉक्टर को वीडियो कॉल...

फिर पार्सल में ड्रग्स की धमकी देकर ठगी

मुंबई: केईएम में कार्यरत 27 वर्षीय एक महिला डॉक्टर के साथ ठगी का मामला सामने आया है। उन्हें एक कॉल आया था और कॉलर ने उनसे कहा था कि उसके नाम का एक पार्सल है, जिसमें उसके नाम के 5 पासपोर्ट, तीन क्रेडिट कार्ड, 140 ग्राम मेफेड्रीन की गोलियां, कपड़े और एक लैपटॉप शामिल है। ठगों ने इसके नाम पर 7.33 लाख रुपये की ठगी कर ली। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता डॉक्टर केईएम अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सक के पद पर तैनात हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें 29 फरवरी को एक अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉलर ने कहा कि मुंबई हवाईअड्डे के अधिकारियों ने उनका एक पार्सल को रोक दिया है। ठगी के बाद घटना की जानकारी उन्होंने मुंबई पुलिस को दे दी है।

पीड़ित डॉक्टर के अनुसार, आरोपी ने खुद को मुंबई पुलिस सेवा में कार्यरत एक पुलिस अधिकारी बताकर उनके साथ विडियो कॉल पर बात की। कॉलर ने मुंबई पुलिस का लोगो लगी हुई वर्दी पहनी हुई थी। कथित पुलिस अधिकारी ने विडियो कॉल के दौरान उन्हें बताया कि आधार कार्ड की जांच की गई, तो उनके नाम पर कई फर्जी बैंक खाते मिले हैं। इन खातों में जमा रकम आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल होने की बात कही।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सिविक बॉडी को लगाई फटकार

मुंबई : गड्ढों के कारण होने वाली हर सड़क दुर्घटना की निगरानी करने से नाराज बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अंततः यह बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि नागरिकों को मोटर योग्य सड़कें और पैदल चलने वालों के लिए अनुकूल फुटपाथ मिलें।अदालत ने इस तथ्य पर भी आश्चर्य व्यक्त किया कि पिछले मानसून में गड्ढों की पहचान दर्ज करने के लिए 273 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद, सड़कों पर कई गड्ढे अभी भी मौजूद हैं।''हर एक सड़क दुर्घटना, गड्ढे पर नजर रखना मुश्किल होता जा रहा है। अंततः यह उनकी (बीएमसी) जिम्मेदारी है, ''मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने कहा।उच्च न्यायालय अधिवक्ता रूजू ठक्कर द्वारा दायर एक अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें मुंबई और पड़ोसी क्षेत्रों में सभी मुख्य सड़कों पर गड्ढों की मरम्मत के निर्देश देने वाले 2018 के उच्च न्यायालय के आदेशों को लागू करने में विफल रहने के लिए नागरिक अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई शुरू करने की मांग की गई थी।

जब अदालत ने टिप्पणी की कि बीएमसी के हलफनामे में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि उसने गड्ढों को भरने के लिए पिछले मानसून में 273 करोड़ रुपये खर्च किए थे और अभी भी सड़कों की स्थिति वांछित नहीं है, तो बीएमसी के वकील अनिल सखारे ने कहा कि इसे शहर के बाद लिया जाएगा। सड़कें पक्की हैं.सीजे ने कहा, ''मिस्टर सखारे जरा देखिए कि आपने गड्ढों को भरने में कितना पैसा खर्च किया है... आपका हलफनामा कहता है कि आपने पिछली बार गड्ढों को भरने में 273 करोड़ रुपये खर्च किए थे।''सखारे ने कहा कि कंक्रीटीकरण की प्रक्रिया जारी है और संपर्क ने कहा कि डिफॉल्ट देनदारी (ठेकेदार की) दस साल की अवधि के लिए होगी। इसका मतलब यह है कि यदि सड़क को कंक्रीट करने के दस साल के भीतर सड़क क्षतिग्रस्त हो जाती है, तो ठेकेदार को बिना अतिरिक्त शुल्क के उसे ठीक करना होगा।सखारे ने जोर देकर कहा, ''एक बार जब यह पूरा हो जाएगा (कंक्रीटीकरण कार्य), तो समस्या हल हो जाएगी।'' बीएमसी के हलफनामे के अनुसार, शहर की कुल 2,050 किलोमीटर सड़कों में से 1,224 किलोमीटर सड़कों का कंक्रीटीकरण हो चुका है और 356 किलोमीटर सड़कों पर काम जारी है। इसने हाल ही में 389 किलोमीटर सड़कों के लिए निविदा जारी की क्योंकि इसे ''असंतोषजनक काम'' के कारण ठेकेदार का अनुबंध समाप्त करना पड़ा।हलफनामे में जोर देकर कहा गया, ''काम की ठोस प्रगति निर्धारित समय सीमा के भीतर है।'' इसमें कहा गया है: ''इसलिए मैं कहता हूं कि यह आरोप कि मुंबई में केवल 5% सड़कें पक्की हैं, गलत है और जहां तक चरण कका सवाल है, आज की तारीख में भी उक्त आरोप सही नहीं हैं।''

मुंबई में पेट के अंदर छिपाकर लाया सोना...

एआईयू ने जांचकर किया सोना बरामद !

मुंबई : एअर इंटेलीजेंस यूनिट (एआईयू) ने एक आरोपी को सोने की डस्ट और बिस्किट लेकर आने के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अंडाकार शेप में पैकेट सोने की डस्ट को अपकने पेट (स्पेक्ट्रम) में रखा था। उसके पास से एआईयू ने 25 ग्राम बिस्किट और 390 ग्राम सोने के डस्ट बरामद किया है। मामले में गिरफ्तार किए गए शख्स कक नाम सुबन बशीर अली है। आरोपी की ओर से एडवोकेट प्रभाकर त्रिपाठी ने अदालत में दलील पेश करते हुए कहा कि गिरफ्तारी जमानती अपराध में की गयी है। उन्होंने अदालत से जमानत देने का आग्रह किया और जमानत पर बहस की सुनवाई सोमवार को होनी है। वह विदेश से यात्रा कर भारत पहुंचा था। उससे पूछताछ करने पर उसने एआईयू के अधिकारियों को बताया कि उसने अपने मलाशय में अंडाकार आकार में सोने की धूल की पट्टियां छिपा रखी हैं। उसने स्वेच्छा से उपरोक्त आधा छिपा हुआ सामान अपने मलाशय से हटा दिया। वही सफेद चिपकने वाले टेप में लिपटे हुए 02 अंडाकार आकार के पैलेट पाए गए, जिनमें मोम में सोने की धूल शामिल होने का अनुमान एआईयू को है। एआईयू ने सरकार द्वारा अनुमोदित मूल्यांकनकर्ता बरामद माल की सत्यता और शुद्धता की पुष्टि की है। जिसमें पता चला है कि उसके पास 25 ग्राम सोने की ईंट, सफेद चिपकने वाली टेप में लिपटे तीन अंडाकार आकार के पैलेट, जो सोना होने का अनुमान है। जांच में सोने के 24 कैरेट गोल्ड डस्ट इन वैक्स (03 नग) के रूप में की गई। इसका वजन 1164 ग्राम और शुद्ध वजन 1070 ग्राम है। इसकी कीमत भी 63 लाख 56 हजार 380 रुपये है। और 25 ग्राम सोने की कीमत 1 लाख 43 हजार 840 है। 9 मार्च को सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 104 के तहत आरोपी का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई की गई। इस बयान में आरोपी ने बताया कि वह पैसे कमाने के लिए सोने की तस्करी कर रहा था। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। यह माल उसे रियाद में रहने वाले भंवरू नाम के व्यक्ति ने दिया था। उन्हें मुंबई हवाई अड्डे के बाहर मोहम्मद नामक व्यक्ति को सोने की डिलीवरी करनी थी। सफल डिलीवरी पर 50 आरोपी को 50 हजार रुपये का भुगतान करने का वादा किया गया था। मामले की अधिक जांच एआईयू द्वारा की जा रही है।

दोपहिया और तीन पहिया वाहनों की कोस्टल रोड पर है बंदी...

मुंबई : कोस्टल रोड को वाहन चालकों के लिए आज मंगलवार से खोल दिया जाएगा। फिलहाल कोस्टल रोड को एक ओर ही शुरू किया गया है। कोस्टल रोड पर दो पहिया और तीन पहिया वाहनों को आवागमन के लिए बंदी लगाई है। बता दे कि कोस्टल रोड का अभी तक मात्र 88 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। वर्ली से मरीन लाइन तक बनाए जा रहे कोस्टल रोड की दूरी 10,58 किमी है।अभी फिलहाल 9 किमी दूरी का ही कोस्टल रोड खोला गया है। जिसका उपयोग वाहन चालक आज मंगलवार को सुबह 8 बजे से कर सकेंगे।कोस्टल रोड रात 8 बजे तक शुरू रहेगा इस मार्ग पर वहानो की मयार्दा 80 किमी रखी गई है। कोस्टल रोड पर जिन स्थानों पर इंटर चेंज की सुविधा दी गई है वहां पर 40 किमी और टनल में 60 किमी की वेग मयार्दा रखी गई है ।

मुंबई में वाहन का ई चालान भरने के नाम पर धोखाधड़ी...

मुंबई : दक्षिण मुंबई के एक निवासी को उनके मोबाइल पर एक मैसेज आया, जिसमें उन्हें यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए ई-चालान जुमार्ना का निपटारा करने का निर्देश दिया गया था। संदेश में एक ऐप का लिंक शामिल था, इस लिंक पर जाकर भुगतान करने को कहा गया था। ऐप डाउनलोड करते ही उनके अकाउंट से 3.02 लाख रुपए कट गए। गामदेवी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता राजेश हनुमानदास बाहेती (57) ने बताया कि 25 फरवरी को उनके मोबाइल पर एक मैसेज आया। संदेश में संकेत दिया गया कि यातायात विभाग ने यातायात नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए उनके वाहन के लिए ई-चालान जारी किया है। शिकायत में कहा गया है कि इस मैसेज के साथ Vahanparivahann.apk नाम का एक ऐप का लिंक था, जिसे डाउनलोड करने के लिए कहा गया था। इसके बाद उन्होंने यह ऐप डाउनलोड किया और इसके जरिए जुमार्ना भरने की कोशिश की, लेकिन वह रकम नहीं भर सके।

नवी मुंबई पुलिस ने 5 लाख रुपए से अधिक मूल्य का मेफेड्रोन के साथ महिला सहित तीन लोगों को किया गिरफ्तार...

नवी मुंबई : नवी मुंबई पुलिस ने एक महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया, उनके पास से 5 लाख रुपए से अधिक मूल्य का मेफेड्रोन बरामद किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, कोपरखैरणे पुलिस स्टेशन की एक टीम ने अपने अधिकार क्षेत्र में नवी मुंबई के एक घर पर देर रात 2 बजे छापा मारा। परिसर की तलाशी में 54 ग्राम मेफेड्रोन की खोज हुई। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई के घर में रहने वालों की पहचान संदीप मुनिराम शर्मा उनकी पत्नी निर्मला संदीप शर्मा और उनके भाई वरुण मुनिराम शर्मा के रूप में की गई है, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें उन्होंने बताया कि जब्त की गई दवा की कीमत 5.4 लाख रुपए है और तीनों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक अन्य मामले में, पुलिस ने कहा कि नवी मुंबई में 6.8 लाख रुपए मूल्य का 34 किलोग्राम से अधिक गांजा रखने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। वरिष्ठ निरीक्षक नीरज चौधरी ने कहा कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस के मादक द्रव्य विरोधी सेल ने शेंडुंग-पलास्पे रोड पर अजीवाली गांव में एक भोजनालय के पास एक कार को रोका, तलाशी के बाद टीम ने वाहन से 34.4 किलोग्राम गांजा बरामद कि।

ठाणे में आधी रात को घर पर गोलीबारी, फिर जो हुआ...

ठाणे : महाराष्ट्र में ठाणे जिले के कल्याण इलाके में देर रात अज्ञात व्यक्तियों ने एक मकान पर कथित तौर पर गोलीबारी की। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ और अभी यह पता नहीं चल सका है कि यह गोलीबारी क्यों की गई। यह घटना देर रात करीब एक बजे चिकनघर इलाके में घटी। कल्याण संभाग में एमएफसी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी की तेज आवाज सुनकर घर में रहने वाले लोग जाग गए और गोलियों के छर्रे छत में छेद करते हुए मकान के अंदर गिर गए।

रोकठोक लेखनी
मुंबई : मंगलवार 12 मार्च 2024

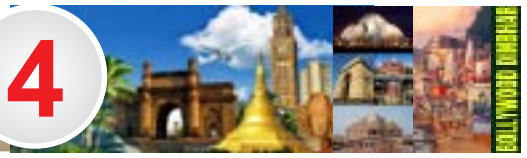

लोकसभा चुनाव से पहले शिंदे सरकार का तोहफा

मुंबई में बंद पड़ी मिल के वर्कर्स को मिलेगा घर

मुंबईः लोक सभा चुनाव की तारीखों की घोषणा जल्द हो सकती है. ऐसे में किसी भी वक्त आचार संहिता लग सकती है. जिसके चलते आचार संहिता लगने के पहले ही महाराष्ट्र सरकार ने कैबिनेट बैठक का सिलसिला और तेज कर दिया है. कैबिनेट की बैठक में राज्य सरकार ने दों दिनों में ही कई फैसले जारी किये है. दरअसल, आचार संहिता लागू होने के बाद सभी सरकारी कामकाजों पर ब्रेक लग जाता है. इसी कारण राज्य सरकार ने अचार संहिता के लगने से पहले कैबिनेट में कई अहम फैसले लिए है. इन फैसलों में प्लेसमेंट के साथ कई विकास परियोजनाएं और फंड वितरण जैसे सरकारी फैसले शामिल हैं. सरकार ने बैठक में ये निर्णय लिया है कि मुंबई में बंद पड़ी 58 मिल के कामगारो को सरकार घर देगी. ये फैसला सभी कामगारों के लिए होली से पहले एक बड़ा तोहफा है. कैबिनेट बैठक में ये फैसला भी लिया गया है, कि सरकारी दस्तावेजों में हर व्यक्ति को अब अपने नाम के साथ अपनी मां का नाम लिखना अनिवार्य होगा.

विश्व स्तरीय सेंट्रल पार्क को मिली मंजूरी

बीडीडी चाल और झुग्गी निवासियों के घर पर जो स्टाम्प ड्यूटी लग रही थी उसमें अब सरकार कटौती करेगी. अयोध्या में महाराष्ट्र भवन के लिए जमीन आवंटन के लिए मंजूरी मिल गयी है. साथ ही कबिनेट ने मुंबई में 300 एकड़ जमीन पर विश्व स्तरीय सेंट्रल पार्क बनाने की भी मंजूरी दे दी है. इन फैसलों के साथ साथ सरकार ने कई विकास की परियोजनाओं पर भी फैसले लिए है.

होली का तोहफा...

होली से पहले लिए गए ये सभी फैसले जनता के लिए किसी तोहफे से कम नहीं हैं. 58 मिल कामगारों के लिए घरों की घोषणा करने का निर्णय और बीडीडी चाल और झुग्गियों में रहने वाले लोगों के लिए जो स्टाम्प ड्यूटी लगती है उसमें भी राज्य सरकार का कटौती करना, ये सभी कामगारों और झुग्गी निवासियों के लिए, ये होली का एक बड़ा तोहफा है.

मुंबई पर मंडरा रहा है जल संकट...

बंगलुरु से भी बदतर हो जाएंगे हालात

मुंबई : बंगलुरु वॉटर सप्लाई एंड सीवेज बोर्ड (बीडब्लयूएसएसबी) ने कार की धुलाई, बगीचे के पौधों को पानी देने जैसी गतिविधियों पर भी रोक लगा दी है। आदेश का उल्लंघन करने पर पांच हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया जाएगा। बंगलुरु में हालात इतने विकट हैं कि एक टैंकर पानी ६-७ हजार रुपए में मिल रहा है। लोग नहाने को तरस गए हैं। पीने का पानी भी महंगे दामों पर बिक रहा है।

बंगलुरु के इस जलसंकट के लिए इस साल हुई कम बारिश को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, लेकिन एक सच यह भी है कि बंगलुरु में बेतहाशा ऊंची-ऊंची इमारतें बसाई गईं। इनमें ज्यादातर इमारतों में कार्यालय हैं, जहां लगातार पानी की जरूरत होती है। ऐसे में यहां जलसंकट गहरा गया है। यही हालात मुंबई में भी पैदा हो सकते हैं। वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की नई रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि मुंबई, पुणे, बंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली जैसे भारत के ३० शहरों में २०५० तक भयंकर जलसंकट की स्थिति पैदा हो सकती है। रिपोर्ट में चेताया गया है कि समय रहते वैज्ञानिक तरीके से जल प्रबंधन पर जोर नहीं दिया गया तो इन शहरों, खासकर मुंबई में लोगों को भयंकर जलसंकट से जूझना पड़ेगा।

वनशक्ति एनजीओ से जुड़े पर्यावरण विशेषज्ञ डी स्टालिन का कहना है कि यह मुंबई का सौभाग्य है कि यहां सालाना ४,५०० मिमी से ज्यादा बारिश हो जाती है, लेकिन समय के साथ यहां जलसंकट गहरा सकता है। फिलहाल, बीएमसी मुंबईकरों को प्रतिदिन ३,९५० एमएलडी पानी सप्लाई करती है, जबकि ४,२०० एमएलडी पानी सप्लाई किए जाने की जरूरत है। मौजूदा समय में भी पानी की सप्लाई लगभग २५० एमएलडी कम है। शहर में लगातार ऊंची-ऊंची इमारतें बन रही हैं, जबकि उस अनुपात में पानी की सप्लाई के प्रबंध नहीं किए जा रहे हैं, जिससे आनेवाले समय में जलसंकट गहरा सकता है। स्टालिन का कहना है कि पानी के लिए गहरे बोरवेल खोदना प्रभावी उपाय नहीं है, क्योंकि यह भूजल स्तर को प्रभावित करता है।

मुंबई में लापरवाहीः

ठाकुर विलेज में बंद पड़ी लिफ्ट...

41 मिनट तक फंसा रहा पूर्व आईजी का 3.5 साल का पोता

मुंबई : महाराष्ट्र पुलिस के पूर्व आईजी शशिकांत एकनाथ शिंदे ने कांदिवली के हाई फाई इमारत चैलेंजर सोसायटी के चेयरमैन, सेक्रेटरी, सिक्योरिटी मैनेजर के खिलाफ लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कराया है। दअरसल 10 मार्च रविवार को ठाकुर विलेज के चैलेंजर इमारत नम्बर 1 के लिफ्ट में शशिकांत शिंदे का 3.5 वर्षीय पोता आर्यव्रत और बेटा अजिंक्य करीब 41 मिनट तक ओटिस कम्पनी के लिफ्ट में फंसे रहे। बेटे के रोने कि आवाज से घबराए शशिकांत ने बच्चे को निकालने की तमाम कोशिश की। करीब 41 मिनट का समय बीतने के बाद दूसरे सोसायटी के लिफ्ट मैन की मदद से बच्चे को निकाला गया।

शशिकांत ने बताया कि लिफ्ट में फसने के कारण उनके पोते की हालत खराब हो गई, उसका रो रो कर बुरा हाल हो गया था, बच्चे ने कई बार लिफ्ट में बंद होने के कारण उल्टी भी की। चैलेंजर इमारत में लगी ओटिस कंपनी की लिफ्ट पुरानी है, जिसकी देख रेख करने वाला कोई भी व्यक्ति घटना के समय मौजूद नहीं था। कंपनी के तमाम अधिकारियों को फोन करने के बाद भी कोई सहायता नहीं मिली।

शशिकांत ने कहा, सोसायटी के चेयरमैन, सेक्रेटरी, सिक्योरिटी मैनेजर यह सब लापरवाह है। आज मेरे बेटे और पोते की जान जाते-जाते बच्ची है। मेरी मांग है की ओटिस कंपनी के खिलाफ भी मामला दर्ज हो। पुलिस ने इस घटना के मामले में सोसायटी के चेयरमैन सुधीर खंडेलवाल, सेक्रेटरी शैलेंद्र मंडोवरा, सिक्योरिटी मैनेजर महेंद्र कांता जैसवाल के खिलाफ आईपीसी की धारा 287, 336, 337, 34 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच पड़ताल कर रही है।

मुंबई में सुरक्षित नहीं पुलिस? महिला कांस्टेबल से मोबाइल छीनकर बाइक सवार फरार...

मुंबई : आम नागरिकों के साथ-साथ महिला पुलिसकर्मी भी अपराध का शिकार हो रही है। मुंबई में एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है, जहां कथित तौर पर एक महिला पुलिस कांस्टेबल से मोबाइल फोन छीनकर अपराधी फरार हो गया है। माहिम पुलिस ने घटना के बाद अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर, पुलिस और अपराध शाखा दोनों सक्रिय रूप से आरोपियों को पकड़ने के लिए अभियान में लगे हुए हैं। जिन्होंने कथित तौर पर घटना के दौरान हेलमेट पहना हुआ था।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना तब सामने आई, जब माहिम पुलिस स्टेशन से संबद्ध महिला पुलिस कांस्टेबल शीतल घोगरे (29) एफआईआर दर्ज करने के लिए स्टेशन गई थी। घोगरे ड्यूटी के लिए डोंबिवली से माहिम जा रही थीं और सेनापति बापट रोड पर पैदल जा रही थीं। रात करीब 10.45 बजे यह घटना मिंट कॉलेज के गेट के पास घटी है। बाइक पर हेलमेट पहने दो युवक उनके पास आए, एक आरोपी ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया जबकि दूसरे ने बाइक तेज रफ्तार में चलाकर भाग गया था।

चोरी करके जौनपुर में बेचता था गहने... कल्याण की कोलसेवाड़ी पुलिस ने दो शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

कल्याण : कल्याण की कोलसेवाड़ी पुलिस ने दो ऐसे शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है जिनकी चोरी की वारदातों ने पुलिस की नाक में दम कर रखा था। इनमें से एक चोर न केवल कल्याण से बदलापुर, टिटवाला तक बल्कि वसई विरार तक चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। कोलसेवाड़ी पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर दर्जनों चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए गहने भी जब्त किए हैं।

पुलिस की जानकारी के मुताबिक आरोपी राजेश राजभर जो कि मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का निवासी है और सीसीटीवी से लैश बंगले में रहता है। जिसने अब तक 30 चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। महज कुछ ही मिनट के भीतर यह घरों की तिजोरी को खाली कर दिया करता था और चोरी किया हुआ माल अपने परिजनों की मदद से बेंच देता था। वहीं दूसरा गिरफ्तार चोर राहुल घाडगे है जिसे शनिवार को कोलसेवाड़ी पुलोस की टीम ने विट्ठलवाड़ी बस डिपो के नजदीक से गिरफ्तार किया है और कोलसेवाड़ी पुलिस में ही उसके खिलाफ पांच चोरी के मामले दर्ज हैं।

राजेश राजभर को कोलसेवाड़ी पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कंजाहित बाजार, देवगांव, आजमगढ़ से गिरफ्तार किया है, पूछताछ में उसने बताया कि वह हीरापुर, मचाटी, केराकत जौनपुर में बेचता था। राजेश राजभर के साथ ही गुनाहों में उसकी मदद करने वाले इसके पिता भाई व भाभी को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने दोनों चोरों के 3 पास से 12 लाख के गहने व अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस निरीक्षक कोलसेवाड़ी अशोक कदम ने बताया कि यह कोलसेवाड़ी पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता है साथ ही इन दोनों की गिरफ्तारी से चोरी की वारदात में काफी कमी आएगी।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८१ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com